The Noble Elephant

Tale from Hitopadesha

महान हाथी

हितोपदेश की कथा

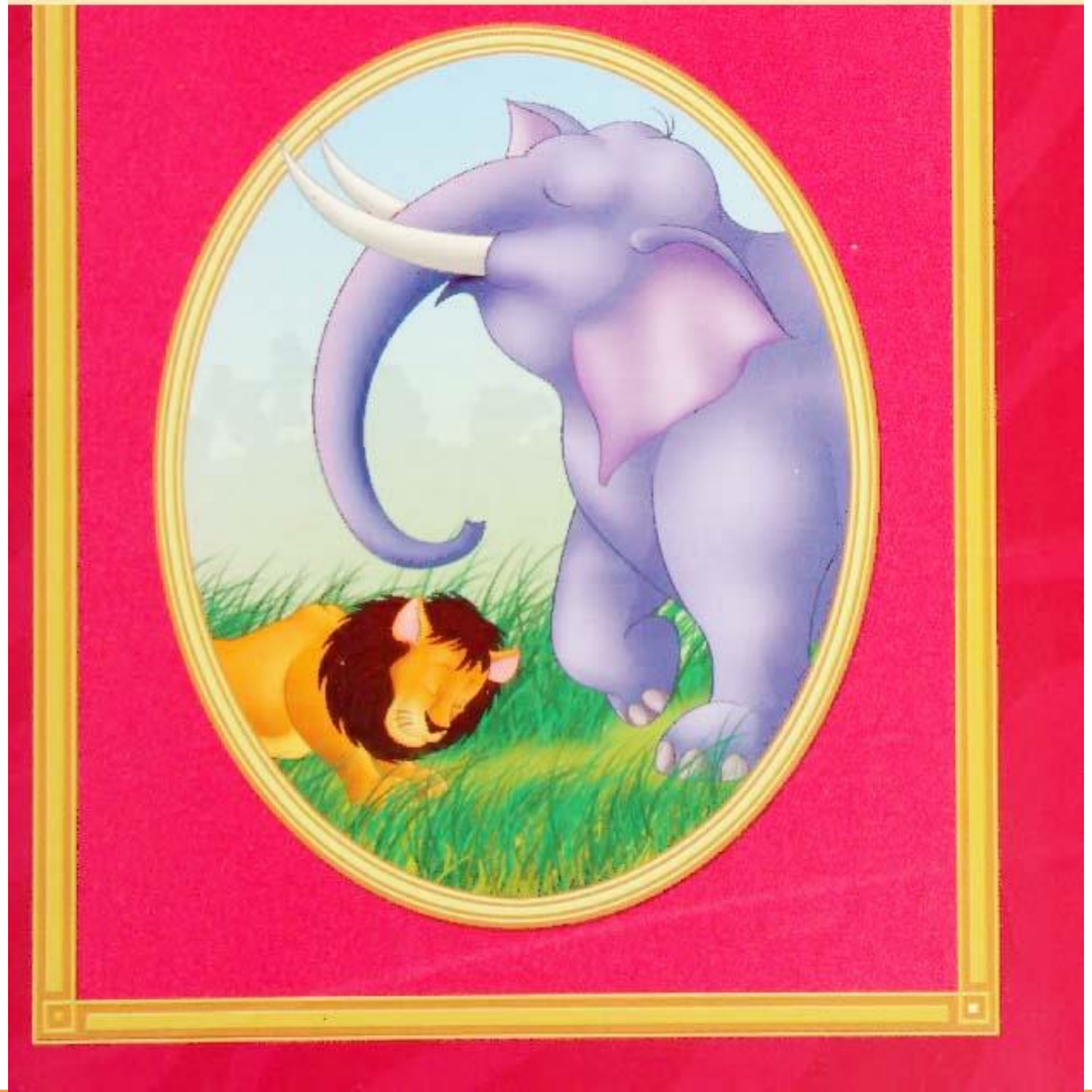

The Noble Elephant

महान हाथी

हितोपदेश की कथा

A long-long time ago in a deep forest, there lived a noble elephant with a long trunk and great big tusks.

The elephant was very kind and helpful and was loved by every animal in the forest.

Each time he walked by, all the animals would bow in respect. Even the king of the forest, the lion respected him!

बहुत समय पहले एक घने जंगल में, एक लम्बी सूंड और बड़े-बड़े दांतों वाला एक विशाल हाथी रहता था.

वो हाथी बहुत दयालु और मददगार था और जंगल का हर जानवर उससे प्यार करता था.

जब भी वह जंगल में से गुजरता, सभी जानवर उसके आदर में झुकते थे. यहाँ तक कि जंगल का राजा शेर भी उसका सम्मान करता था!

One day, a group of merchants lost their way in the forest.

They went in circles and as it began to get dark, they began to get worried.

एक दिन, व्यापारियों का एक समूह जंगल में अपना रास्ता भटक गया.

वे घने जंगल में गोल-गोल घूमते रहे पर जैसे-जैसे अंधेरा होने लगा, उन्हें चिंता होने लगी.

They sat below a tree tired and hungry. Suddenly, one of the merchants saw the elephant standing at a distance, beckoning to them.

He turned to the others and said, "I think we should follow that elephant. We don't have anything to lose.”

वे थके हुए और भूखे एक पेड़ के नीचे बैठ गए. अचानक, एक व्यापारी ने देखा कि एक हाथी कुछ दूरी पर खड़ा था और उनकी ओर इशारा कर रहा था.

वो व्यापारी दूसरों की ओर मुड़ा और बोला, "मुझे लगता है कि हमें उस हाथी के पीछे-पीछे जाना चाहिए. हमारे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है."

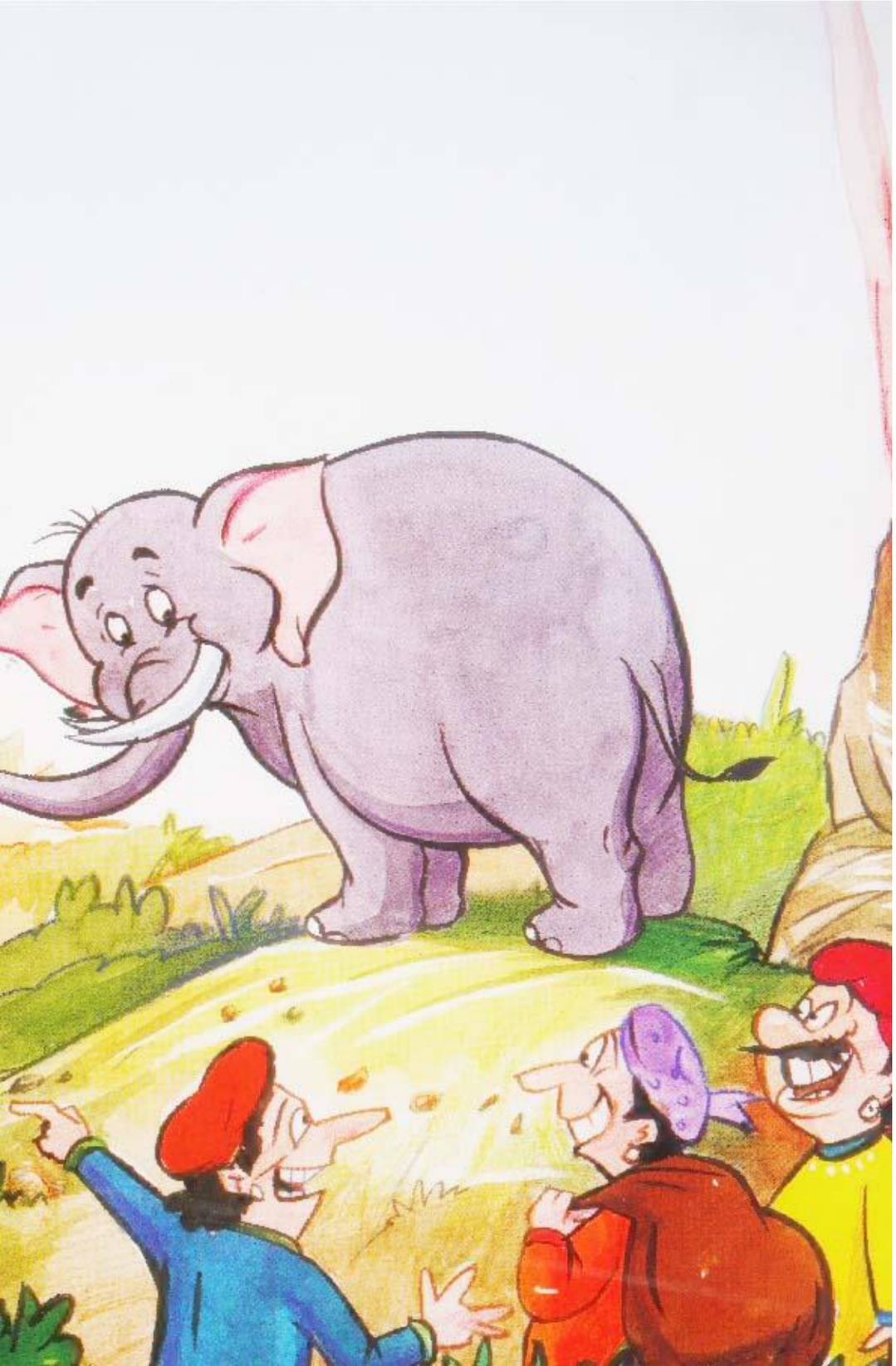

So, the merchants followed the elephant and soon they found themselves at the edge of the forest!

At some distance, they could see the walls of a city. The merchants were thrilled!

They turned to thank the elephant but he had left.

इसलिए, व्यापारियों ने हाथी का पीछा किया और जल्द ही उन्होंने खुद को जंगल के किनारे पर पाया!

कुछ दूरी पर उन्हें शहर की दीवार दिखाई दीं. व्यापारी बेहद खुश हुए!

वे हाथी को धन्यवाद देने के लिए पीछे मुड़े लेकिन तब तक हाथी वहां से जा चुका था.

The merchants went to the city and met the king.

The merchants said, "Your Majesty, there is a wonderful elephant with the most beautiful tusks, in the forest on the outskirts of this city. Had he not helped us, we would still be lost in the forest!"

व्यापारी शहर में गये और वे राजा से मिले.

व्यापारियों ने कहा, "महाराज, इस शहर के बाहरी इलाके में जंगल में सबसे सुंदर दांतों वाला एक अद्भुत हाथी है. अगर उसने हमारी मदद नहीं की होती, तो हम आज निश्चित रूप से जंगल में खो गए होते!"

The king however, did not hear of the elephant's noble nature. All he heard was that he had the most beautiful tusks!

"I will kill that elephant and take his tusks! They will grace the walls of my palace!" thought the cruel king.

हालाँकि, राजा ने हाथी के नेक स्वभाव के बारे में नहीं सुना. राजा सिर्फ हाथी के सुन्दर दांतों के बारे में सुना!

"मैं उस हाथी का शिकार करूंगा और उसके दाँत छीन लूँगा! उसके सुन्दर दांत मेरे महल की दीवारों की शोभा बढ़ाएँगे!" क्रूर राजा ने सोचा.

The next day, the king set out with his soldiers to hunt the elephant

He wandered through the forest and soon came to a watering hole where the elephant was bathing.

अगले दिन, राजा अपने सैनिकों के साथ हाथी का शिकार करने के लिए निकल पड़ा.

वह जंगल में घूमता रहा और जल्द ही वो एक पानी के ताल के पास आया जहाँ हाथी नहा रहा था.

When the king saw the elephant he said, "Wow! That is a beautiful elephant! He is mine! No one is to shoot him."

He then took up his bow and shot an arrow. The arrow whizzed past the elephant.

जब राजा ने हाथी को देखा तो उसने कहा, "वाह! वो तो बहुत सुंदर हाथी है! वो हाथी मेरा होगा! कोई और उसका शिकार नहीं कर सकता है."

फिर उसने अपना धनुष उठाया और तीर चलाया. तीर हाथी के बहुत पास से निकल गया.

The elephant was now alert and began to run. The king gave chase.

The elephant went deep into the forest and soon the king was far away from his attendants.

The elephant found a place to hide and the king began looking for him.

हाथी तुरंत सतर्क हो गया और वहां से भागने लगा. राजा ने उसका पीछा किया.

हाथी घने जंगल के बहुत अंदर चला गया और जल्द ही राजा अपने सेवकों से बिछुड़ गया.

हाथी को छिपने के लिए एक अच्छी जगह मिल गई और राजा उसकी तलाश करने लगा.

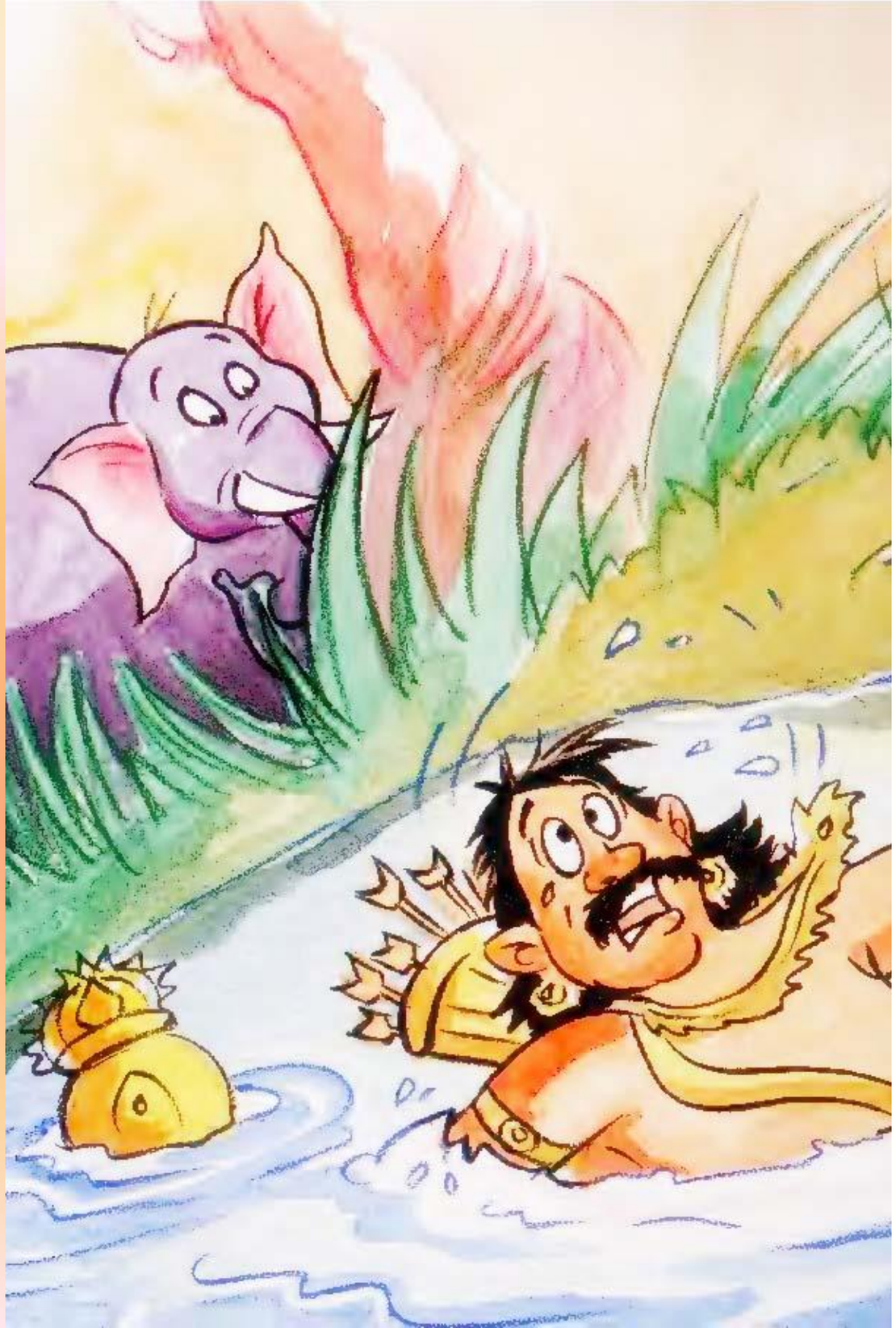

Suddenly, there was a big SPLASH! The king had stepped into a marsh.

The elephant came out and found the king being sucked under. The king screamed, "Help! Help! Somebody please help me!"

But his soldiers were too far away to hear him.

अचानक, एक बड़ी छपाक की आवाज़ हुई! राजा ने एक दलदल में कदम रख दिया था और वो उसमें धंस रहा था.

हाथी बाहर आया और उसने राजा को दलदल में धंसते हुआ पाया. राजा चिल्लाया, "मदद करो! मदद करो! कृपया कोई तो मेरी मदद करो!"

लेकिन राजा के सैनिक उससे बहुत दूर थे.

The elephant rushed to help the king. With his trunk he caught the king and pulled him out to safety.

The king was grateful and fell at the elephant's feet ashamed of himself.

The noble elephant placed the king on his back and took him back to the city.

हाथी, राजा की सहायता के लिए दौड़ा. उसने अपनी सूंड से राजा को पकड़ा और उसे दलदल से सुरक्षित बाहर खींच लिया.

राजा कृतज्ञ हुआ और वो लज्जित होकर हाथी के चरणों में गिर पड़ा.

महान हाथी ने राजा को अपनी पीठ पर बिठाया और उसे वापस शहर ले गया.

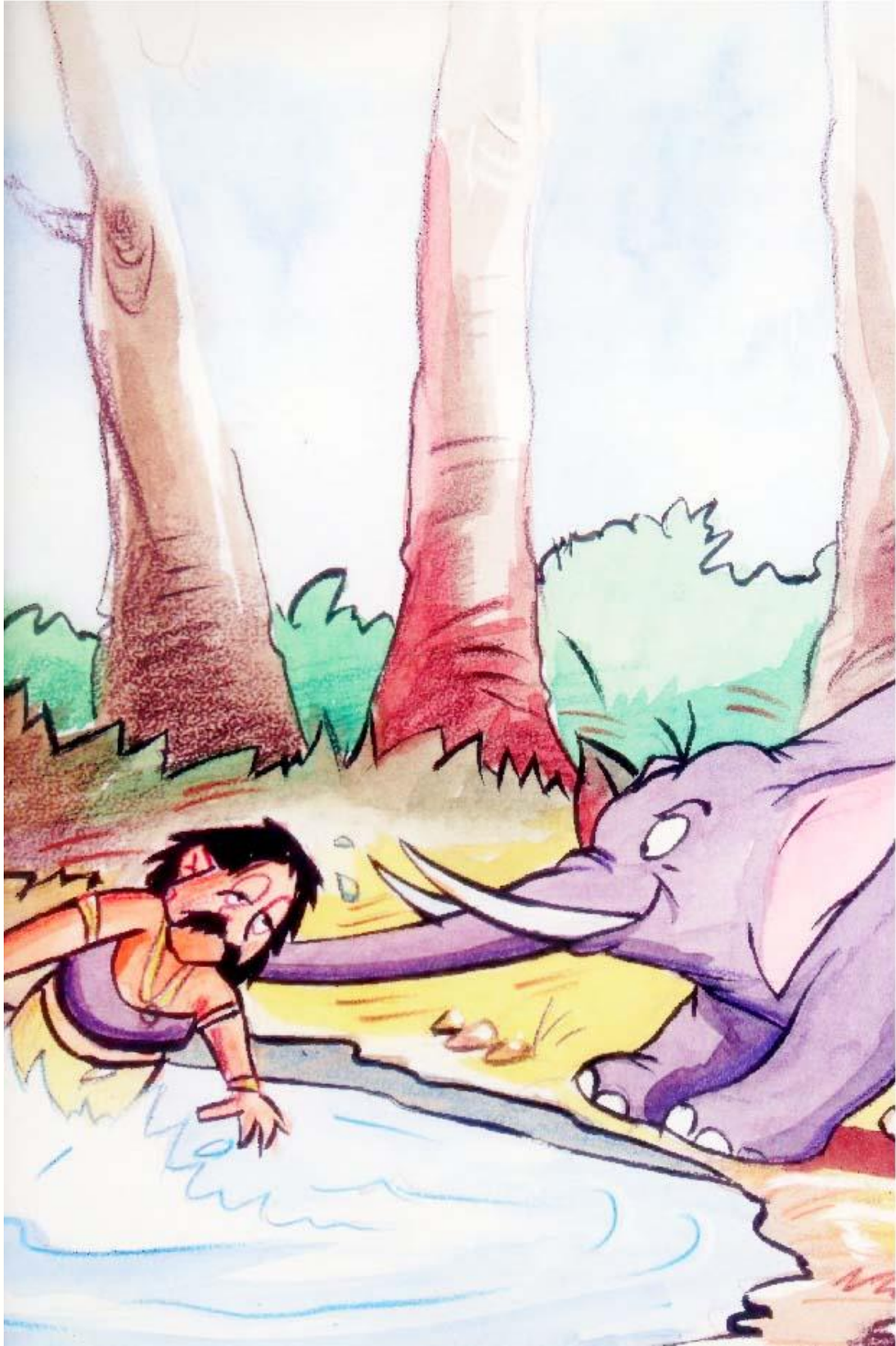

The King said, "Dear elephant, I tried to kill you and yet you saved my life! You have taught me the true meaning of nobility! Thank you!"

The elephant blessed the king and went back to the forest never to be troubled by hunters again.

End

राजा ने कहा, "प्रिय हाथी, मैंने तुम्हें मारने की कोशिश की और फिर भी तुमने मेरी जान बचा ली! तुमने आज मुझे बड़प्पन का सही अर्थ सिखाया है! तुम्हारा बहुत धन्यवाद!"

हाथी ने राजा को आशीर्वाद दिया और जंगल में वापस चला गया. उसके बाद से शिकारियों ने जंगल के जानवरों को कभी परेशान नहीं किया.